Scanned with OKEN Scanner

# मुझे निवेदिता याद आयी

पहली बारिश आयी, सूखी मुरझायी धरती,
हौले से मुसकायी। सोई दूब अंकुरायी,
मुझे निवेदिता याद आई।

लहलहाती हुयी कोमल लतर,आँधियों ने किया तितर-बितर,
फिर-फिर जोश जुटाती है, आखिर चढ़ ही जाती है।
लाल गुलाबी गुच्छे में, मधुमालती-मुसकायी
मुझे निवेदिता याद आयी।

गगन चूमते हिमचल से, अनजान अबूझ अतल से,
उतर धरा पर आयी,देव नदी लहरायी।
गंग जमुना की धारा में, सरयू के कूल किनारा में,
देख सुखद सितलायी। मुझे निवेदिता याद आयी।

हरी- भरी भरी दुपहरी, अपराजिता सजी संवरी।
प्रात रात औ अर्ध निशा, श्याम कुसुम की अनंत जिजीविषा,
हरे भरे पातों में किसने नीली झालर लटकायी,
नीलमणि-सी नील कली मुसकायी, मुझे निवेदिता याद आयी।

डॉ. रेखा चौधरी
प्रोफेसर (हिंदी विभाग)
ए. के. पी. डिग्री कॉलेज, खुर्जा, बुलंदशहर



Scanned with OKEN Scanner

जे.टी.एस. पब्लिकेशन्स, दिल्ली

वैधानिक चेतावनी
पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन- फोटोकॉपी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए लेखक/ संपादक/ प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है।

# भारतीय हरित धरोहर-101 कविताएँ

इंदु नांवल 'बंवे'
सम्पादक - हरित धरोहर
विश्व रिकॉर्ड होल्डर

© सुरक्षित
प्रथम संस्करण : २०२६
ISBN 978-93-47100-96-3

प्रकाशक
जे०टी०एस० पब्लिकेशन्स
वी-५०८, गली नं०१७, विजय पार्क, दिल्ली-११००५३
दूरभाष : ०६६६०२३६८१६
E-Mail : jtspublications@gmail.com

ब्रांच ऑफिस
ए-9, नवीन इनक्लेव गाज़ियाबाद,
उत्तर प्रदेश, पिन-201102

आवरण : प्रतिभा शर्मा, दिल्ली

मुद्रक : जिया ऑफसेट प्रिंटर्स, दिल्ली

Scanned with OKEN Scanner

# भारतीय हरित धरोहर-101 कविताएँ
# विश्व रिकॉर्ड


## इंदु नांदल 'वंदे'

विश्व रिकॉर्ड होल्डर इंडोनेशिया

सम्पादक - हरित धरोहर

शिक्षिका - रामा इंटरनेशनल स्कूल (2008-2020)

संस्थापक - वंदे मातरम् परिवार

Email: indusahil@gmail.com


Scanned with OKEN Scanner